लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1254
दिनांक 14.12.2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र डिजाइन प्रदर्शनी

1254. डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हेः
श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुलेः
श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरेः
श्री गजानन कीर्तिकरः
श्री धनुष एम. कुमारः
श्री सी.एन.अन्नादुरईः
श्रीमती मंजुलता मंडलः
श्री कुलदीप राय शर्माः
डॉ. डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस.:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान देश में, विशेषकर पिछड़े क्षेत्रों में हस्तशिल्प प्रदर्शनियों सहित कितनी वस्त्र डिजाइन प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया है और इन प्रदर्शनियों के माध्यम से निर्यात के लिए कितने आदेश प्राप्त हुए हैं;

(ख) क्या सरकार का विचार भविष्य में ऐसी और अधिक प्रदर्शनियां आयोजित करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) भारतीय पारंपरिक हस्तशिल्प उद्योग/कारीगरों द्वारा राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों/मेलों में भाग लेने के लिए किन किन मानदंडों/मानकों का पालन करना होगा;

(घ) क्या विगत तीन वर्षों के दौरान ऐसी प्रदर्शनियों/मेलों में भागीदारी में कमी आई है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और

(च) सरकार द्वारा देश में पर्याप्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने और पारंपरिक हस्तशिल्प उद्योग के लिए अनुकूल अवसंरचना के लिए कितनी प्रोत्साहन योजनाएं चलाई जा रही हैं?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री
(श्रीमती दर्शना जरदोश)

(क): पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान देश में आयोजित हस्तशिल्प प्रदर्शनियों का ब्यौरा निम्न प्रकार से है:

क्रमांक	वित्तीय वर्ष	हस्तशिल्प प्रदर्शनियों की संख्या	
		अखिल भारत	पिछड़े क्षेत्र
i.	2019-20	157	58
ii.	2020-21	145	54
iii.	2021-22	252	76
iv.	चालू वित्तीय वर्ष (अक्तूबर, 2022 तक)	272	82

इन प्रदर्शनियों के माध्यम से प्राप्त निर्यात आदेशों के आंकड़े इस कार्यालय द्वारा तैयार नहीं किए जाते हैं। तथापि, पिछले 3 वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान हस्तशिल्पों के निर्यात का विवरण निम्नानुसार है:

क्रमांक	वित्तीय वर्ष	निर्यात (करोड़ रुपए में)
i.	2019-20	25,270.14
ii.	2020-21	25,679.98
iii.	2021-22	32,417.20
iv.	चालू वित्तीय वर्ष (अक्तूबर, 2022 तक)	18,744.14

(ख): सरकार का भविष्य में प्रति वर्ष अधिक ऐसी प्रदर्शनियाँ आयोजित करने का प्रस्ताव है।

(ग): विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा जारी वैध पहचान आईडी कार्ड धारक कोई भी कारीगर हस्तशिल्प प्रदर्शनियों में भाग लेने हेतु पात्र है। तथापि दिल्ली के आईएनए दिल्ली हाट में मास्टर क्रिएशन, हरियाणा में सूरजकुंड मेला और अंतर्राष्ट्रीय मेले जैसे कार्यक्रम राष्ट्रीय पुरस्कार और राज्य पुरस्कार आदि विजेता कारीगरों के लिए आयोजित किए जाते हैं।

(घ) और **(ङ):** जी नहीं महोदय, पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान ऐसी प्रदर्शनियों/मेलों में भागीदारी में कमी नहीं आई है।

(च): विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय देश में पारंपरिक हस्तशिल्प उद्योग को पर्याप्त वित्तीय सहायता और अनुकूल इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदान करने के लिए दो योजनाएँ नामश: राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और व्यापक हस्तशिल्प कलस्टर विकास योजना (सीएचसीडीएस) कार्यान्वित करता है।

*****